डॉ0 राम मनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय, ऑवला, बरेली।

कोरोना

किसी के गुजर जाने के बाद
फरयाद करते रह जाओगे
डरो के कोई गुज़र न जाये
यह हिदादत याद करते रहे जाओगे
इस कदर तु क्यो बेदार है
मौत का क्यों खरीददार है
उजाले ज़िन्दगी के फिर न मिलेगे
कुछ ही पलो का तु किरायदार है
सुनलो जो डर गया वह बच गया
जो बहक गया वह बेह गया
सबर का हाथ थाम लो यह राज़ जान लो
चौखट के बाहर जो गया कोरोना का हो गया
कहे रहीम–
यह डर अपने दिल में डाल लो
खुद को और अपने परिवार को बचालो

श्री जावेद रहीम (रचयिता)

प्राचार्य,
डॉ0 मु0 असलम खॉ
की ओर से निवेदन